समाचार

अंगोला के मेनोनाइट सदस्य शरणार्थियों को ग्रहण कर उन्हें शरण दे रहे हैं

डीआर काँगों के दूरस्थ क्षेत्रों में जुगाड़ और मानव शक्ति की आवश्यकता होती है। फोटो: फ्राँसिस्का इबान्डा

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: सोमवार 17 जुलाई 2017

विन्नीपेग, मानिटोबा, कनाडा – मध्य/पश्चिम अफ्रीका के लिए मेनोनाइट वर्ल्ड काँफ्रेंस की क्षेत्रीय प्रतिनिधि फ्राँसिसका इबान्डा कहती हैं, ''स्थिति अत्यंत गम्भीर है।''

इबान्डा ने बताया कि संयुक्त राज्य का अनुमान है कि 2017 में डीआर काँगो के 50,000 से भी अधिक शरणार्थी मध्य क्षेत्र में हो रहे हिंसक आक्रमणों से बचने के लिए अंगोला में शरण लेंगे। मार्च में आए 1000 लोगों से अब संख्या बढ़ कर मई में 20000 पहुँच गई, और मध्य अफ्रीका क्षेत्र में व्याप्त आर्थिक, सामाजिक, और राजनैतिक असुरक्षा से भी प्रभावित होने के कारण लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है।

कम्युनेट मेनोनाइट अउ काँगों के अनेक सदस्य कसाई प्रान्त से पड़ोसी प्रान्त बान्डुन्डू को भाग गए या सीमा पर कर अंगोला के लुंडा नोर्टे प्रान्त को चले गए।

इबान्डा ने यह भी बताया कि अंगोला में शरण ले रहे बहुत से मेनोनाइट किसी शरणार्थी शिविर में रहने की बजाए किसी स्थानीय मेनोनाइट कलीसिया में शामिल होना चाहते हैं। वे मेनोनाइट पास्टरों, त्शिकापा, डीआरसी के मोइसे कालोन्डजी और मालु बकाटुआमबिसा का उदाहरण देती हैं जो अंगोला में एक मेनानाइट पास्टर के घर में शरण लिए हुए हैं। कोलान्डजी अपने आठ बच्चों के साथ है, परन्तु मालू अपने चार बच्चों को ढूंढ़ रहे हैं जो काँगों में उससे बिछुड़ गए।

इबान्डा कहती हैं, ''शान्ति के लिए प्रार्थना करें।''

तेल के गिरते हुए दामों के मध्य अंगोला स्वयं आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। अंगोला की मेनोनाइट कलीसियाएं, जो स्वयं शरणार्थियों से मिल कर बनी हैं, अपनी निर्धनता में भी अपना कर्तव्य पूरा कर रही हैं।

– कार्ला ब्राऊन, मेनोनाइट वर्ल्ड काँफ्रेंस विज्ञप्ति